been taken to raise the height of the perimeter wall in certain areas and to augment lighting around Stores premises. Security surveillance including partrolling also have been strengthened in the area.

**उपग्रहों का प्रक्षेपण**

446. **श्री ओंकार सिंह लखावत** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) इस समय भारत के कितने और कौन-कौन से उपग्रह अंतरिक्ष में हैं: इनमें से कितने उपग्रह सुचारू रूप से कार्य कर रहा हैं;

(ख) भविष्य में कौन-कौन से उपग्रह छोड़े जाने की योजना हैं;

(ग) क्या सरकार की इस संबंध में कोई दीर्घकालीन योजना हैं; और

(घ) क्या अंतरिक्ष केन्द्र"फ्रीडम" से जोड़ने और उसे सहयोग देने की कोई योजना हैं?

**विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वसुन्धरा राजे)** : (क) इस समय कक्षा में 17 भारतीय उपग्रह हैं। ये निम्नलिखित हैं:

इन उपग्रह में से निम्नलिखित कार्य कर रहे हैं तथा इन उपग्रहों के कार्य प्रत्येक के सामने दिए गए है;

1.एरियाने पैसेजंर नीतभार परीक्षण (एप्पल)
2.विस्तृत रोहिणी उपग्रह श्रृंखला (श्रोत-सी2)
3.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1ए (इन्सैट-1ए)
4.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1बी (इन्सैट-1बी)
5.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1सी (इन्सैट-1सी)
6.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1डी (इन्सैट-1डी)
7.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2ए (इन्सैट-2ए)
8.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2बी (इन्सैट-2बी)
9.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2सी (इन्सैट-2सी)
10.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2 डी (इन्सैट-2 डी)
11. भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2डीटी (इन्सैट-2डीटी)
12.भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह-1ए
13.(आई.आर. एस.-1ए)
14.भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-1बी
15. (आई.आर.एस-1बी)
16.भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-पी2
17. (आई.आर.एस.-पी2)
भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-1स (आई.आर. एस.-1सी)
भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-पी3 (आई.आर.एस.-1डी)
भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-1डी (आई.आर.एस.-1डी)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | इन्सैट-1डी | - | दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियों नेटवर्किग, मौसमविज्ञान तथा आपदा चेतावनी सेवाएं। |
| 2. | इन्सैट-2ए | - | दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियो नेटवर्किग, मौसमविज्ञान, खोज और बचाव चेतावनी, आपदा चेतावनी सेवाएं। |
| 3. | इन्सैट-2बी | - | दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियो नेटवर्किग, मौसमविज्ञान, खोज और बचाव चेतावनी एवं आपदा चेतावनी सेवाएं। |
| 4. | इन्सैट-2सी | - | दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियो नेटवर्किग,आपदा चेतावनी सेवाएं, प्रायोगिक मोबाइल संचार एवं के.यू. बैंड संचार। |
| 5. | इन्सैट-2डीटी | - | दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण। |
| 6. | आई.आर. एस. 1बी | - | प्राकृतिक संसाधनों का सर्वेक्षण और प्रबंध |
| 7. | आई.आर.एस.-1सी | - | प्राकृतिक संसाधनो का सर्वेक्षण और प्रबंध, पर्यावरण का मानीअरन, मानचित्रण के लिए उच्च विभेदन प्रतिबिम्बिकी, वनस्पति के मानीटरन के लिए संक्षिप्त सर्वेक्षण। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. | आई.आर.एस.-1डी | - | प्राकृतिक संसाधनो का सर्वेक्षण और प्रबंध, पर्यावरण का मानीटरन, मानचित्रण के लिए उच्च विभेदन प्रतिबिम्बिकी, वनस्पति के मानीटरन के लिए संक्षिप्त सर्वेक्षण। |
| 9. | आई.आर.एस.-पी3 | - | समुद्रविज्ञानीय उपयोग, उच्च आवृत्ति वाले पर्यवेक्षणों एवं एक्स-किरण खगोलिकी सहित भूमि एवं कृषि आधारित उपयोगों के लिए संक्षिप्त सर्वेक्षण। |
| 10. | श्रोस-सी2 | - | ऊपरी वायुमण्डलीय मापन/अध्ययन, गामा-किरण खगोलिकी। |

(ख) और (ग) आगामी योजनाओ के भाग के रुप मे निमलिखित उपग्रहो को प्रमोचिर किए जाने की योजना है

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | इन्सेट-2ई | 5. | इन्सैट-3डी | 9. | आई.आर.एस-पी4 |
| 2. | इन्सैट-3ए | 6. | इन्सैट-3ई | 10. | आई.आर.एस.पी5 |
| 3. | इन्सैट-3बी | 7. | जीसैट-1 | 11. | आई.आर.एस.-पी6 |
| 4. | इन्सैट-3सी | 8. | जीसैट-2 | | |

(ध) जी,नही।

**भूमिगत जल स्तर में गिरावट**

447. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गुजरात राज्य के कुछ जिलों में भूमिगत जल स्तर में गिरावट के संबंध में कोई सधन सर्वेक्षण किया हैं;

(ख) यदि हां, तो इसका जिलावर ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या राज्य के कुछ क्षेत्रों में पेयजल की समस्या और सिंचाई के संसाधनों की कमी से निपटने के लिए सरकार ने कोई कार्य योजना बनाई है; और

(घ) क्या राज्य के सूखाग्रस्त जिले कच्छ में पेयजल की अत्यधिक कमी को दूर करने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने पर सरकार ने कोई निर्णय लिया हैं?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल) :** (क) जी, हां।

(ख) केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा गुजरात में भूजल स्तरों के दीर्घकालीन प्रेक्षण किए गए हैं। इस राज्य में उथले जलभूतों में 10.41 मीटर तक और गहरे जलभूतों में 50.37 मीटर तक जल स्तरों में गिरावट दिखाई गई हैं। गुजरात में भूजल स्तर की जिलावार गिरावट का ब्यौरा संलग्र विवरण में दिखाया गया हैं। (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) गुजरात सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार पंचमहल जिलो सहित सौराष्ट्र,कच्छ, उत्तरी गुजरात के लिए स्थायी पेय जल स्रोतों के लिए 4,700 करोड़ रू. की अनुमानित लागत से सरदार सरोवर नहर और माही पाइप लाइन पर आधारित पेय जल आपूर्ति योजना तैयार की गई है। कच्छ जिला की पेय जल समस्या को हल करने के लिए पुनर्भरण और जल जमा करने वाली संरचनाओं का व्यापक कार्य भी शुरू किया गया हैं। राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया हैं कि उन्होने इस क्षेत्र में पेय जल तथा सिंचाई संसाधनों की कमी की समस्या को हल करने के लिए 359.5 करोड़ रू. की राशि को ओ ई सी एफ (जापान) सहायता के वास्तें उत्तरी गुजरात क्षेत्र में अति-दोहन जलभूतों में सतही जल पुनर्भरण बढ़ाने के लिए एक परियोजना तैयार की हैं।

देश के विभिन्न भागों में कुओं की खुदाई करके वैज्ञानिक अन्वेषण करते हुए केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड ने कच्छ जिले में 12 कुएं सौपे हैं।